%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 621

NO. 321

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Siṃhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 841; A. R. No. 284-R of 1899 )

Ś. 128[6]

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शाकाव्दे रसाष्टारुण परिगणिते भाद्रमासे

मु(वु)धाहे पुण्ये सोमा-

(२।) ... नरहरिवपुष स्सिंहशैलेश्वरस्य । प्रादात् सत्पुष्पमालां प्रतिदि-

(३।) न[म] ... भीष्टार्त्थसिध्यै(द्ध्यै) ... ...

(४।) ... भामना[थः] । श्रीशकवरुषवुलु १२८[६]गु-

(५।) ने टि भाद्रपद पुन्नमयु वुधवारमुनांडु<2> ग्रहणकालमंदु कंदा-

(६।) ड अय[ं] रि शिष्युंडैन मंगिपरिकि मुम्मडिनायुनि चेल्यलु मुकु द आ-

(७।) म्मा तनकु निष्टात्थसिद्धिगा श्रीनरसिंहनाथुनिकि नित्यमुन्नु ओक तिरुमा-

(८।) ल्य सातनु रेंडु कुंचालु प्रसादा(द)मु ठावुपटि भैरवपुरमु दक्ष(क्षि)म-

(९।) भागमंदु तम्मिनायक पुराइनायुनिचे विलिचिन पुष्पवाटिक(का) गट्टुना

(१०।) [तोंट] सहित मुगा [भूमि] ... [पेट्टेनु] । ईतंडु ई

(११।) रेंडु कु चालु प्रसादमुन्नु भुजिचि नित्यमुन्नू(न्नु) ओक दोंड वनमा-

(१२।) ल पट्टंगलाडु । ई धर्म्मवु श्रीवैष्णव रक्ष ।। श्री श्री श्री [।।]

<1. In the sixteenth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 11th September, 1364 A.D., Wednesday.>